अनातोली करानोव
निकोलाई एर्डमैन

मुर्ज़िल्का के कारनामे

अंग्रेज़ी: एवगेनी स्पिरिन
हिंदी: अरविन्द गुप्ता

MINI PROGRESS & MINI RADUGA

संपादक बहुत चिंतित थे. उन्हें बच्चों की पत्रिका "मुर्ज़िल्का" के अगले अंक के कवर के लिए तत्काल एक फोटो की आवश्यकता थी. दुर्भाग्य से, सभी संवाददाता व्यापारिक यात्राओं पर थे: टिट्स पक्षी समुद्र के दूसरी ओर जानकारी जमा कर रहे थे. और संवाददाता क्रेन आसमान में ऊपर समाचार की तलाश में था.

"संवाददाता मुर्ज़िल्का को छुट्टी से वापिस बुलाओ!" संपादक फोन पर चिल्लाया और फिर उसने मेज पर एक मुक्का मारा.

एक जोर की गड़गड़ाहट हुई. एक मिनट के अंदर एक टेलीग्राम भेजा गया. सबसे तेज़ टेलीग्राम को लाइटनिंग कहा जाता है! टेलीग्राम लाइटनिंग खेतों और नदियों पर चमका और फिर जंगल टेलीग्राफ ऑफिस को मिला.

कछुआ डाकिया तार देने की जल्दी में था. मुर्ज़िल्का के घर तक पहुंचने के लिए उसे चार देवदार के पेड़ों और एक ठूंठ को पार करने में तीन दिन लग गए.

"यह तो बड़ी गड़बड़ है!" मुर्ज़िल्का ने गुस्से में कहा. "मुझे एक जरूरी काम के लिए - टेलीग्राम लाइटनिंग भेजा गया था लेकिन वो घोंघे की गति से ही मुझे मिला."

मुर्ज़िल्का तुरंत यात्रा के लिए तैयार हो गया. उसने अपना कैमरा अपने कंधे पर लटकाया, और फिर वो निकटतम जंगल में एक खुले स्थान पर गया.

वहां पर जंगल का टैक्सी-स्टैंड था.

मुर्ज़िल्का, टैक्सी बीटल की पीठ पर बैठ गया. बीटल ने अपने पंख-दरवाज़े बंद किए, इंजन गड़गड़ाया और फिर टैक्सी हवा में उड़ गई.

"जल्दी करो, जल्दी करो!" मुर्ज़िल्का चिल्लाया. लेकिन हवा में भी, यातायात नियमों का पालन करना ज़रूरी होता है. यदि आप तेज़ गति से चल रहे हों, तो आप शहद ले जा रही किसी मधुमक्खी से टकरा सकते हैं!

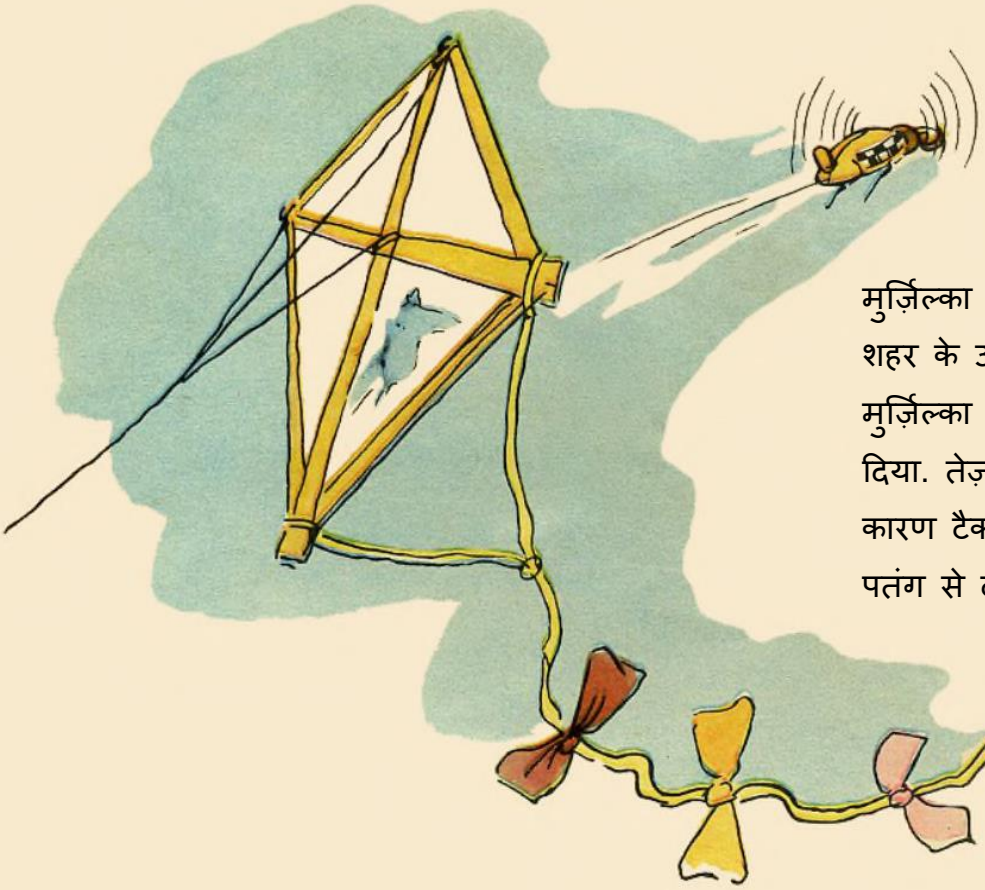

मुर्ज़िल्का ने टैक्सी में सवार होकर शहर के ऊपर उड़ान भरी. तभी मुर्ज़िल्का को एक परिचित घर दिखाई दिया. तेज़ रफ़्तार और पैने मोड़ के कारण टैक्सी आसमान में उड़ रही एक पतंग से टकरा गई.

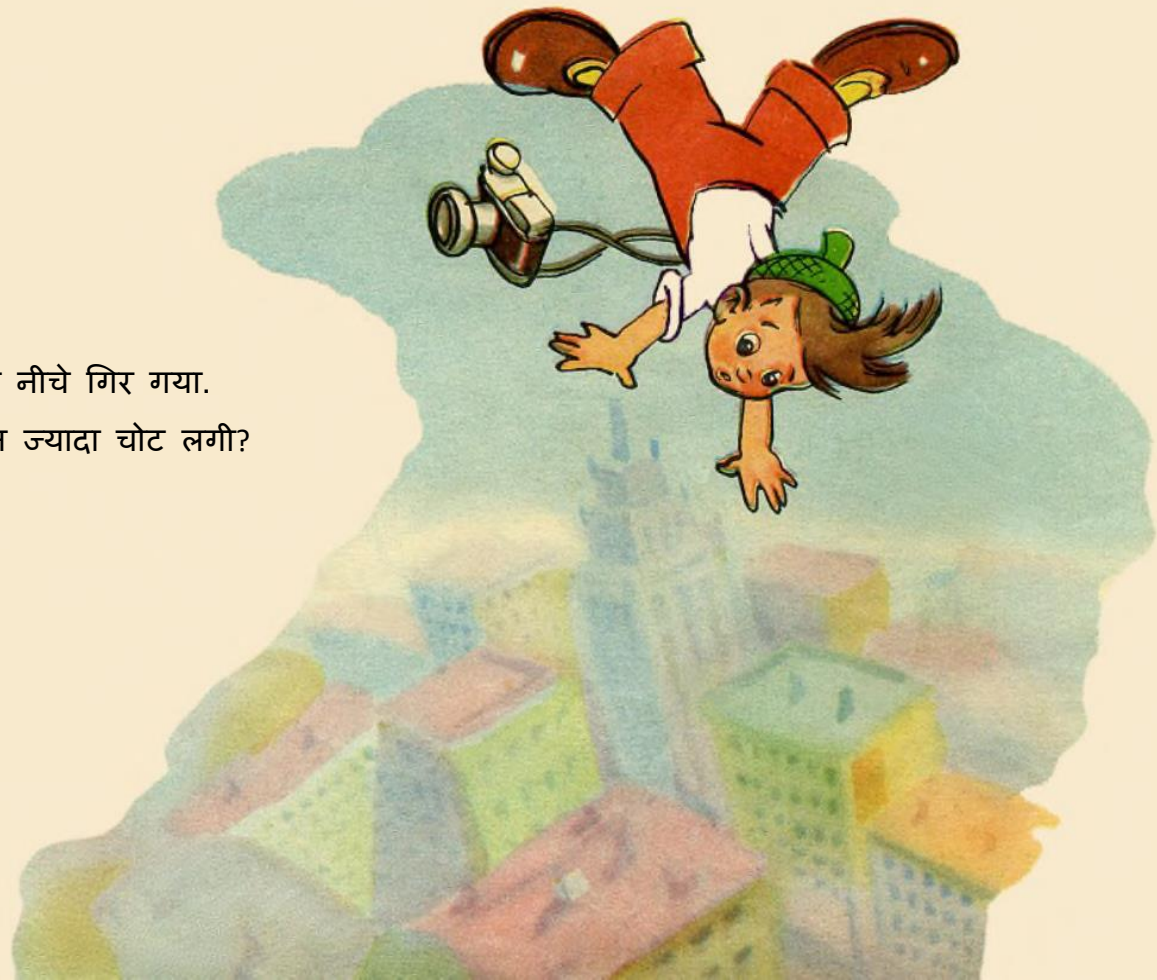

फिर मुर्ज़िल्का नीचे गिर गया.
क्या उसे बहुत ज्यादा चोट लगी?

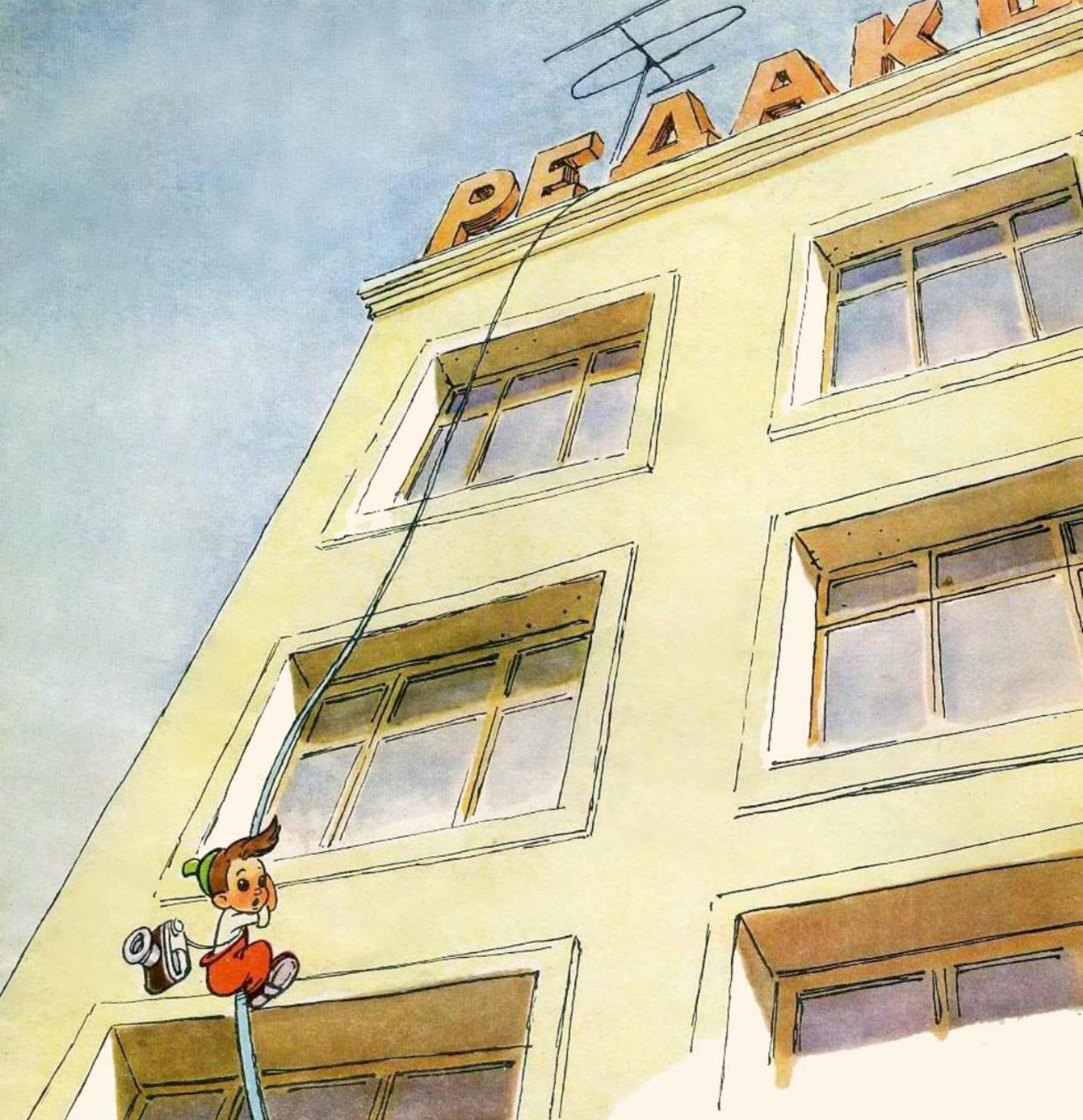

लेकिन मुर्ज़िल्का हमेशा बहादुर, निपुण और साधन संपन्न था! टेलीविज़न एंटीना के पास से उड़ते हुए, मुर्ज़िल्का ने उसे अपने हाथों से पकड़ लिया और फिर टेलीविज़न केबल के साथ-साथ सरकते हुए उसने सीधे संपादक के कार्यालय की खिड़की में प्रवेश किया. वो बिल्कुल ठीक समय पर पहुंचा.

उसे देखकर, संपादक बेहद खुश हुआ!

“हैलो, प्रिय मुर्ज़िल्का! अपनी पत्रिका के नए कवर के लिए, हमें तत्काल एक अच्छे लड़के की फोटो चाहिए. हमें एक आज्ञाकारी, विनम्र, दयालु, मेहनती पायनियर लड़के की फोटो की ज़रुरत है.

“ज़रूर,” मुर्ज़िल्का ने कहा और वो तुरंत कार्य पूरा करने के लिए चला दिया.

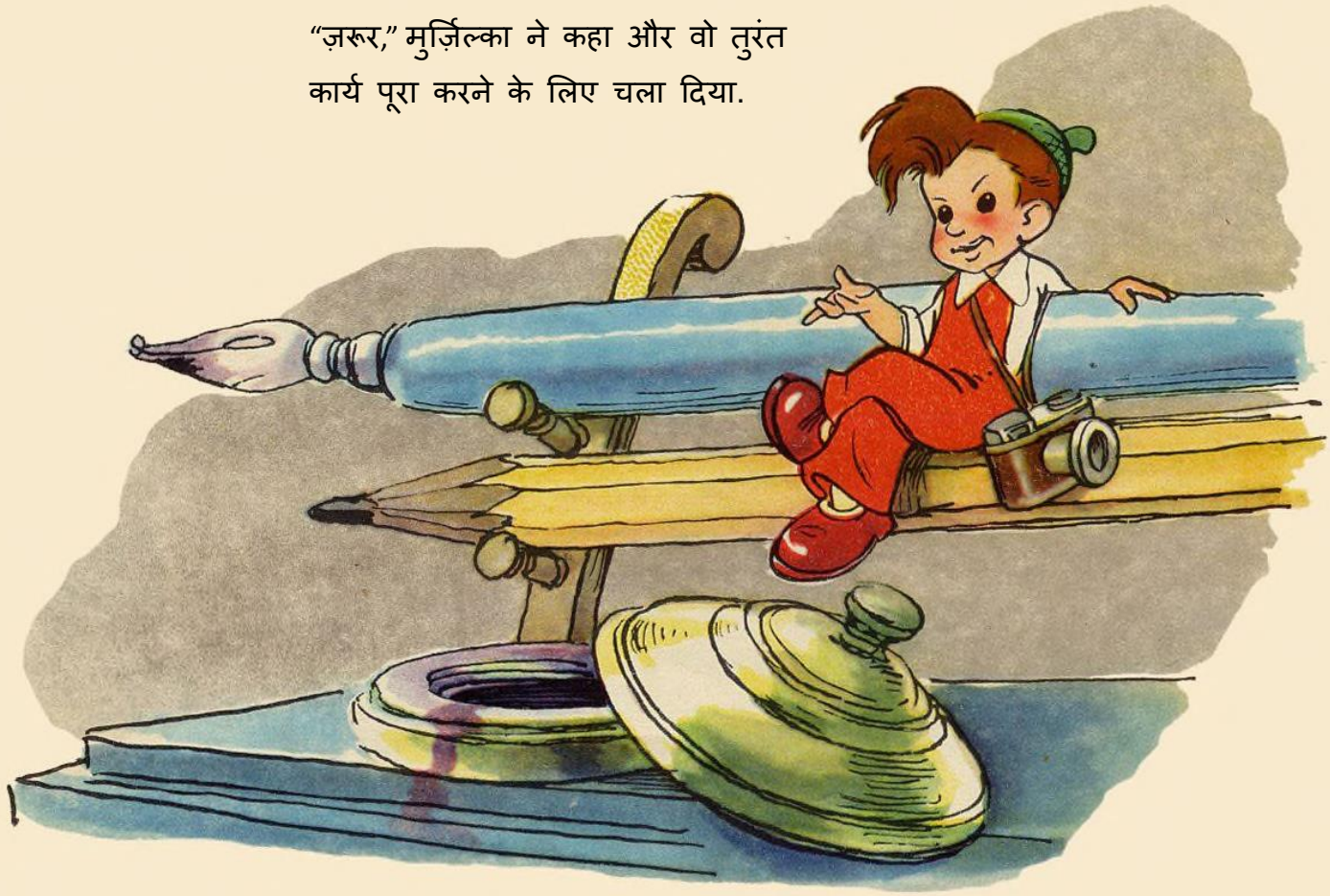

उसका कितना अच्छा भाग्य था!
सड़क के दूसरी ओर, खिड़की से
मुर्ज़िल्का ने एक कोमल दृश्य देखा.
एक साफ़-सुथरा और सौम्य लड़का
अपनी मां को प्यार से चूम रहा था.

मुर्ज़िल्का, सर्कस की रस्सी पर चलने वालों की तरह, घरों के बीच सड़क के दूसरी ओर फैली स्टील केबल के ऊपर चला. कुछ कदमों... और एक छलांग... के बाद फिर वो वहां पहुंच गया.

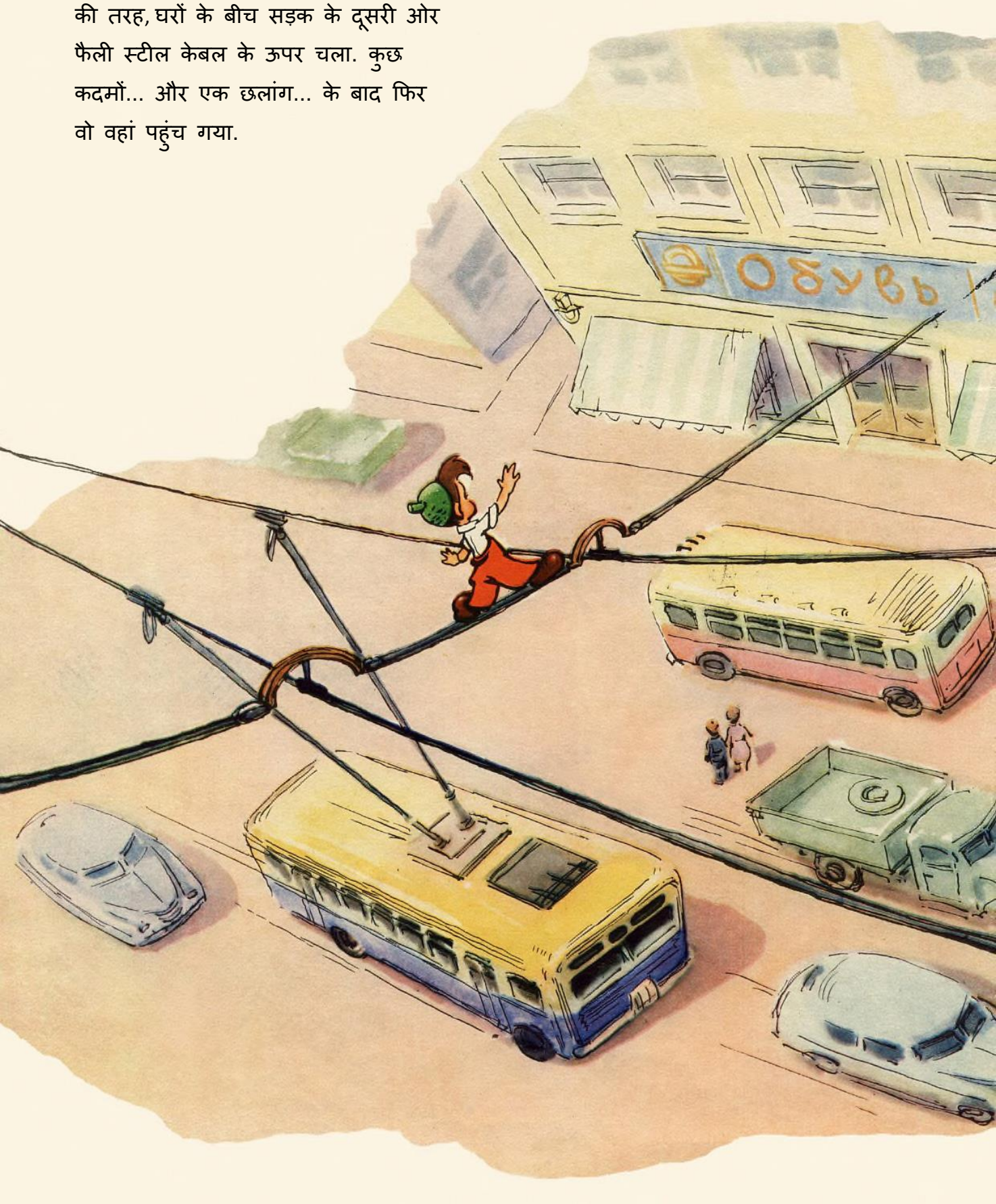

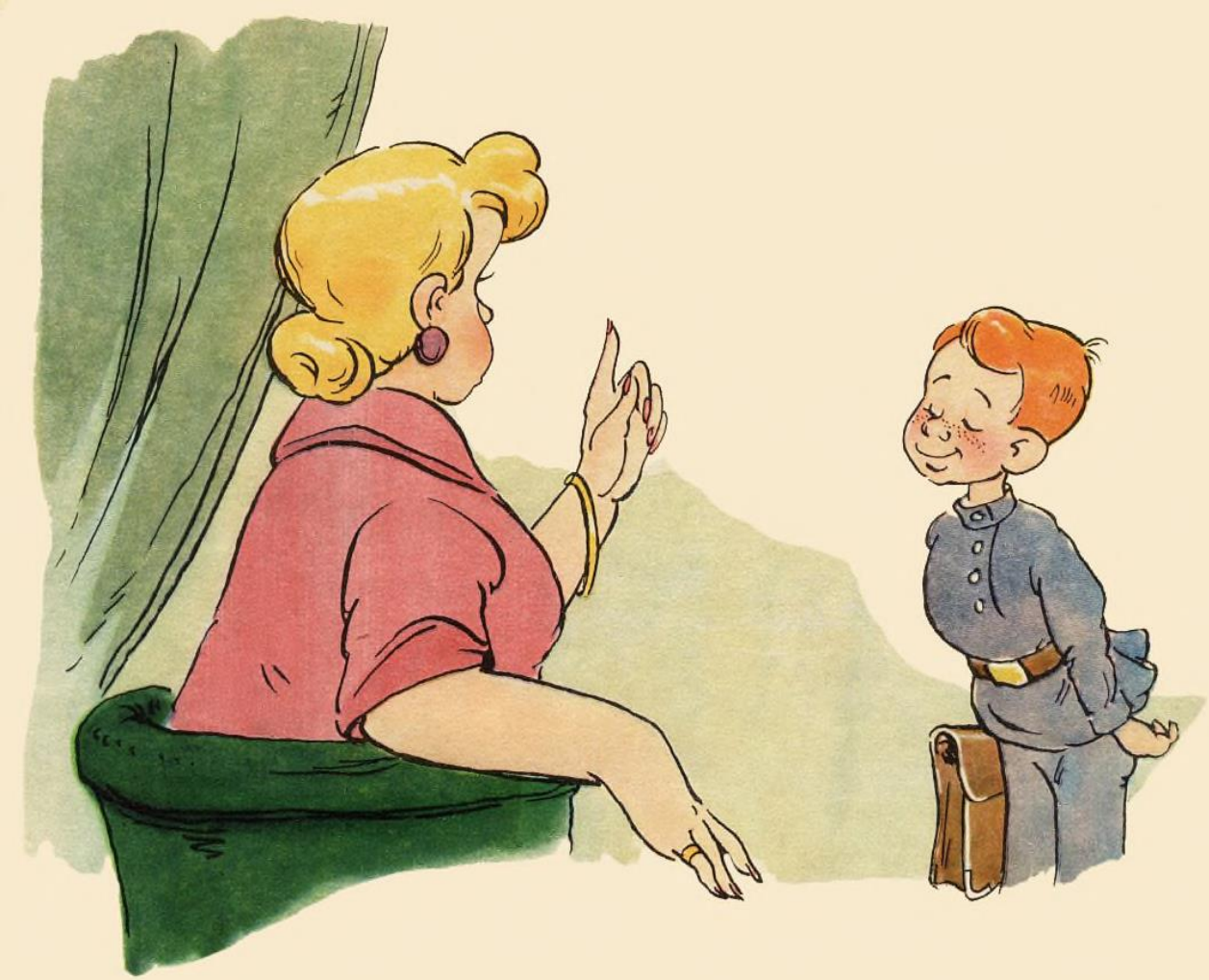

खिड़की पर खड़े होकर, मां अपने बेटे से जो कह रही थीं मुर्ज़िल्का वो सुन पाया:

"कल तुम्हें एक आश्चर्य मिलेगा, लेकिन पेट्या, अब स्कूल जाओ."

"मुझे वो मिल गया, जो मुझे चाहिए था!" मुर्ज़िल्का ने खुद से कहा और उसने अपनी पहली फोटो खींची.

“धन्यवाद, प्रिय मां! बेशक, मैं स्कूल जाऊंगा, लेकिन अभी मैं इस प्यारी बिल्ली को खाना खिलाऊंगा, क्योंकि वो बहुत भूखी है!"

मुर्ज़िल्का ने चुपचाप कहा, "इस प्यारे, सभ्य, सुशील लड़के की तस्वीरों का उपयोग पूरे वर्ष के पत्रिका कवर बनाने के लिए किया जा सकता है." और फिर मुर्ज़िल्का ने लड़के की एक और फोटो खींची.

इस बारे में मुझे संपादक को यथाशीघ्र बताना चाहिए! फिर मुर्ज़िल्का जल्दी से एक फोन बूथ पर गया. लेकिन मुर्ज़िल्का फ़ोन कॉल कैसे कर पाएगा? फोन करने के लिए उसे एक सिक्का चाहिए था... लेकिन मुर्ज़िल्का के पास कोई सिक्का नहीं था... लेकिन बढ़िया किस्मत! उसके ठीक सामने फुटपाथ पर एक सिक्का पड़ा हुआ था!

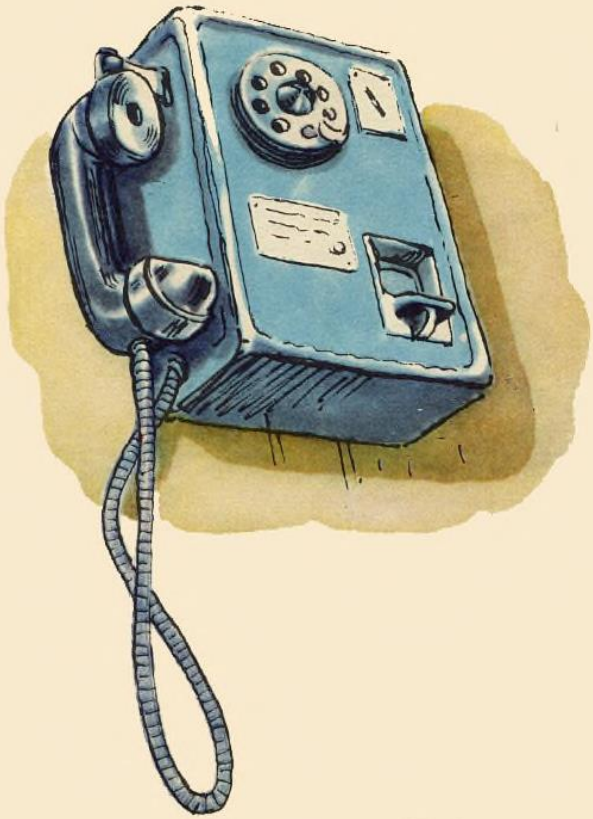

नन्हे मुर्ज़िल्का के लिए फ़ोन कॉल करना एक कठिन काम था.

1) सबसे पहले, मुर्ज़िल्का को सिक्के को खांचे में नीचे डालना था.

2) फिर मुर्ज़िल्का को फ़ोन लीवर उठाकर संपादक का नंबर डायल करना था!

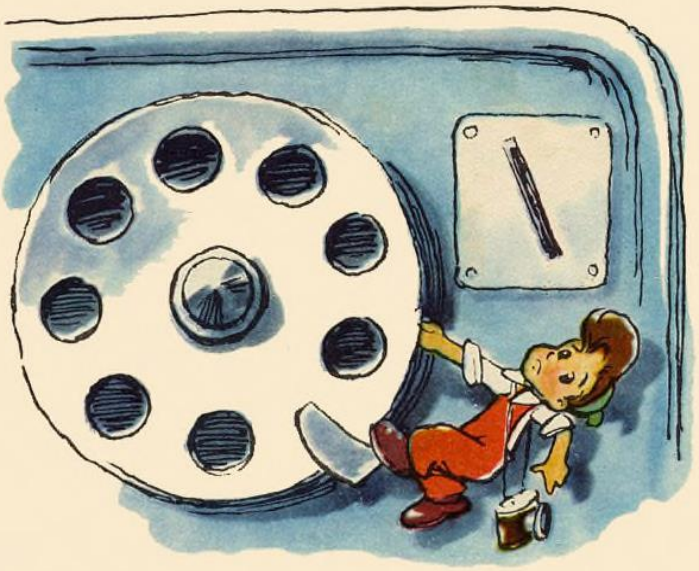

3) और उसके बाद ही मुर्ज़िल्का, संपादक से फ़ोन पर बात कर सकता था.

मुर्ज़िल्का ने संपादक से कहा कि उसे पत्रिका के कवर के लिए सही पात्र मिल गया था. बातचीत के बाद, मुर्ज़िल्का आज्ञाकारी, विनम्र, दयालु और मेहनती लड़के की तस्वीर लेने के लिए दौड़ा...

लेकिन वो क्या!? पेट्या कितना बदल गया था!
उसने अपनी किताबें क्यों फेंकीं थीं?
वो बिल्ली को मार क्यों कर रहा था?

और वो स्कूल क्यों नहीं जा रहा था?
वो बिल्कुल विपरीत दिशा में क्यों चल रहा था?

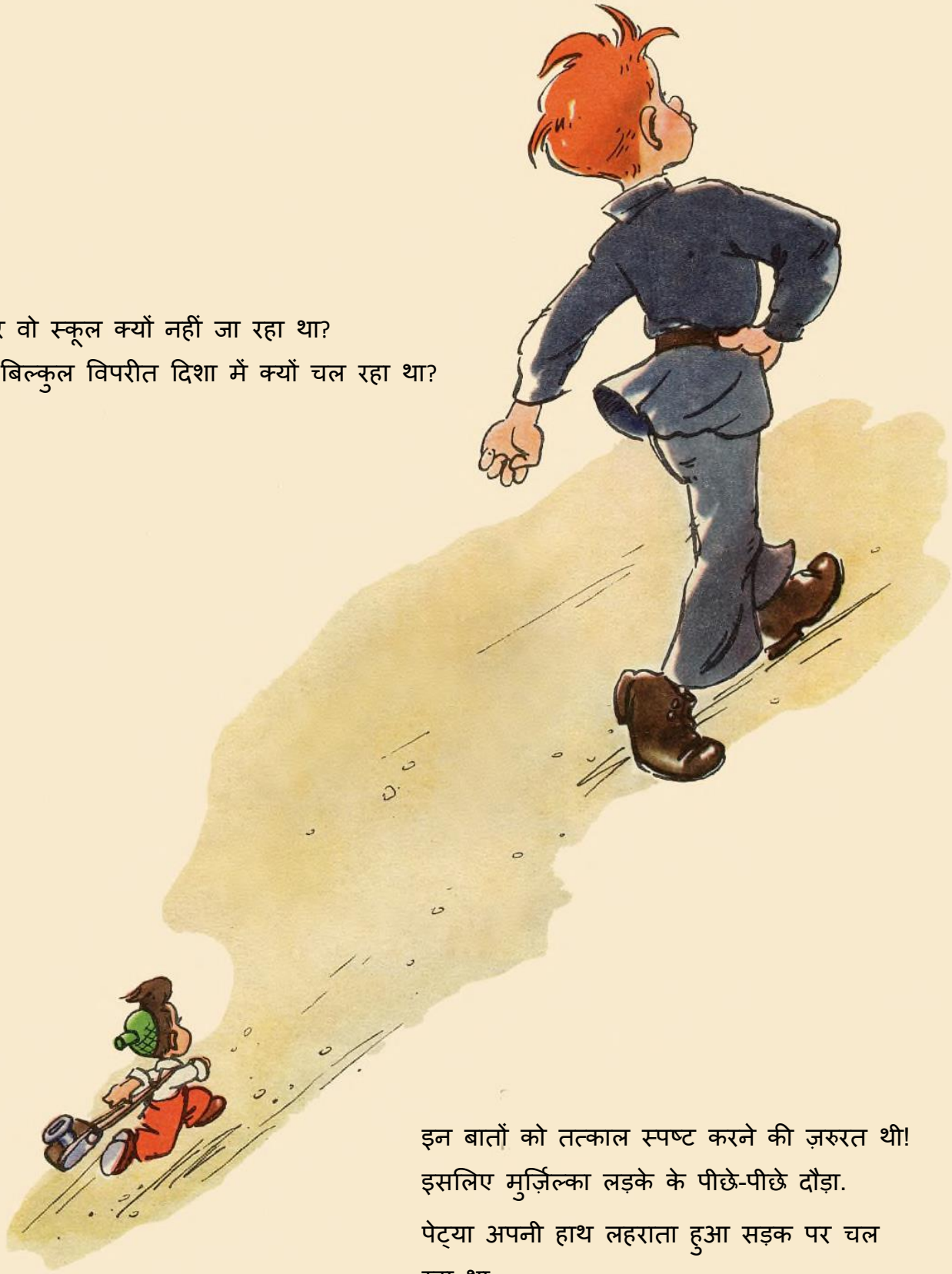

इन बातों को तत्काल स्पष्ट करने की ज़रुरत थी!
इसलिए मुर्ज़िल्का लड़के के पीछे-पीछे दौड़ा.
पेट्या अपनी हाथ लहराता हुआ सड़क पर चल रहा था.

पेट्या ने कूड़ेदान को अपने पैर से लात मारी. कूड़ेदान नीचे गिर गया. सारा कूड़ा फुटपाथ पर फैल गया. खुश होकर पेट्या तेजी से भागा और घर के कोने में छिप गया. एक चौकीदार गेट से बाहर आया और वो यह देखकर बहुत आश्चर्यचकित हुआ.

“बाप-रे-बाप!!”

मुर्ज़िल्का को एहसास हुआ कि उससे गलती हुई थी.

मुर्ज़िल्का और उसकी पत्रिका को ऐसे लड़के की ज़रूरत नहीं थी!

लेकिन फिर भी मुर्ज़िल्का ने, पेट्या की फोटो खींचना क्यों जारी रखीं?

पेट्या स्कूल के बजाए पार्क में गया और फिर एक बेंच के पास पहुंचा जहां दो सहेलियां बैठी थीं. लड़कियों ने जीवन भर दोस्त बने रहने का फैसला किया था.

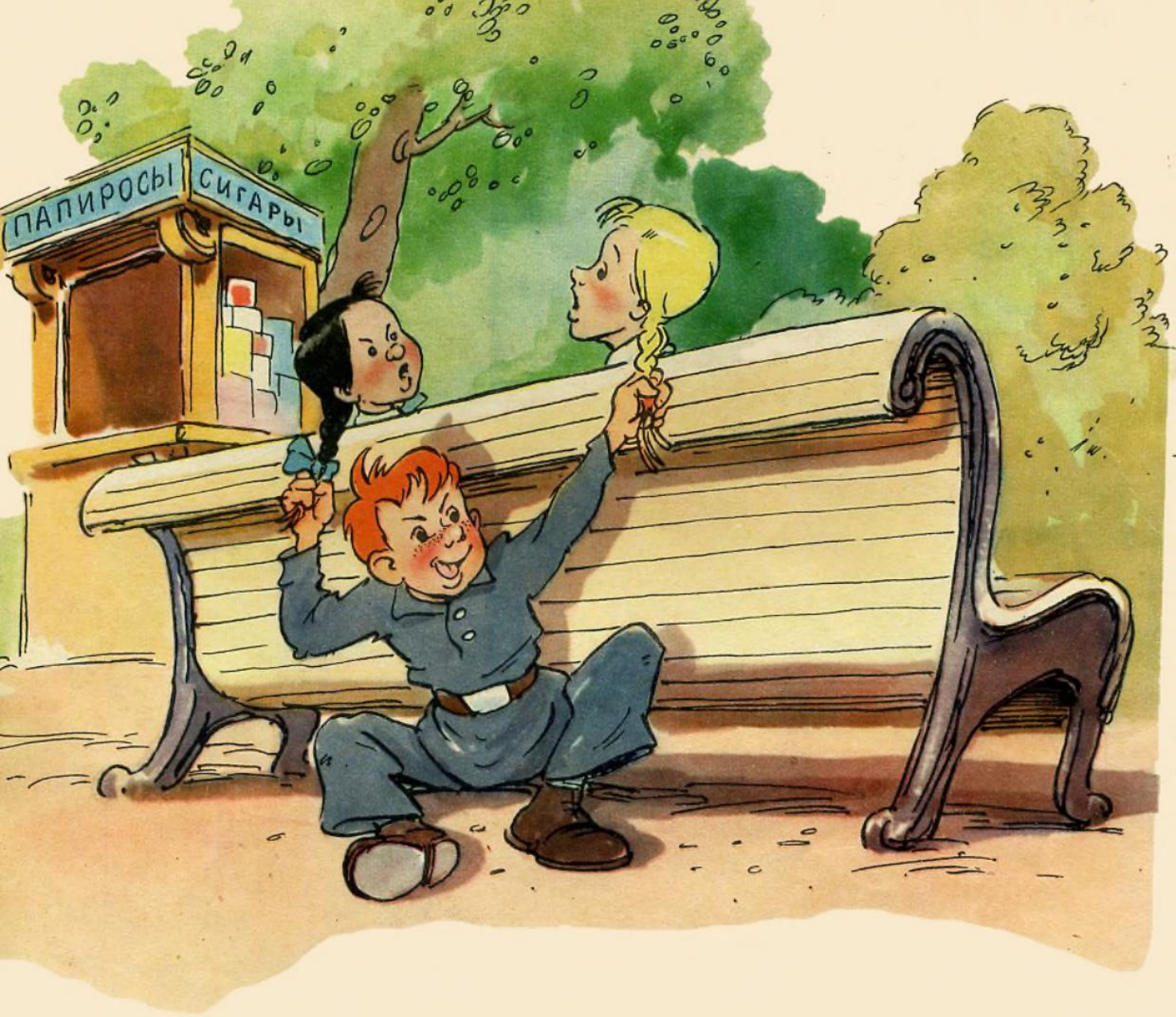

पेट्या चुपचाप उनके पीछे गया और चुपके से उसने दोनों लड़कियों की चोटियां खींची.

"अरे, तुम मेरे बाल क्यों खींच रही हो?" एक लड़की अपनी मित्र पर चिल्लाई.

“नहीं, मैंने तुम्हें छुआ तक नहीं. तुम ही मुझे परेशान कर रही हो!”

“तो, वो तुम हो! अब मैं तुमसे दोस्ती नहीं करूंगी!”

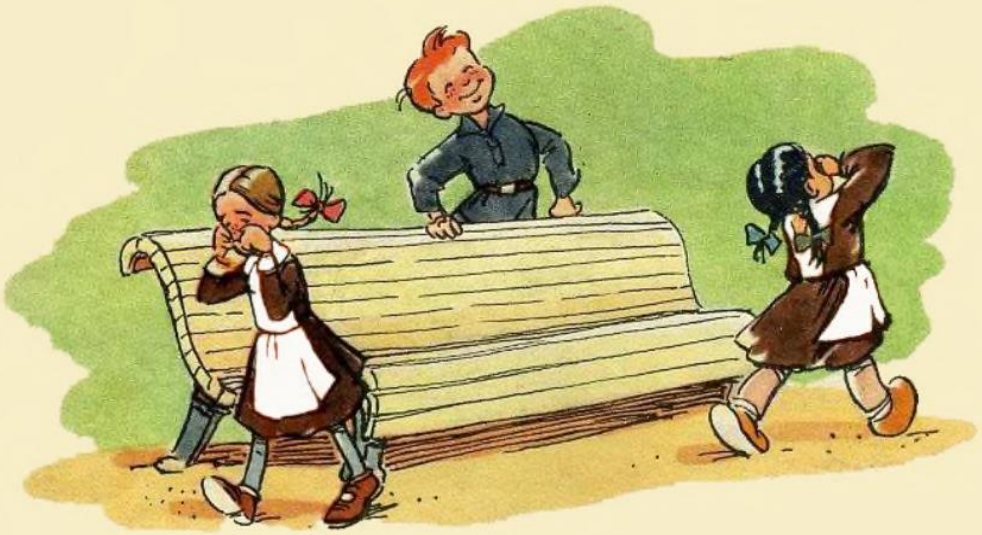

और फिर लड़कियां रोते हुए उठीं और
अलग-अलग दिशाओं में चली गईं.

मुर्ज़िल्का के पैर छोटे थे और इसलिए
उसे पेट्या के पीछे दौड़ने में कठिनाई
हुई. पेट्या अब तेजी से पार्क में कोई
नया मनोरंजन तलाश रहा था.

पेट्या ने एक पेड़ पर एक पक्षीघर देखा. उसने अपनी जेब से एक गुलेल निकाली. उसने निशाना साधकर कर पक्षीघर पर एक पत्थर मारा.

मुर्ज़िल्का को वो बर्दाश्त नहीं हुआ.

"तुरंत रोको!" वो चिल्लाया.

लेकिन पेट्या, मुर्ज़िल्का की धीमी आवाज़ नहीं सुन पाया.

फिर, पेट्या के कंधे पर चढ़कर मुर्ज़िल्का ने, गुलेल में लगे पत्थर को पकड़ लिया. उसने पेट्या को गुलेल चलाने से रोकने की कोशिश की.

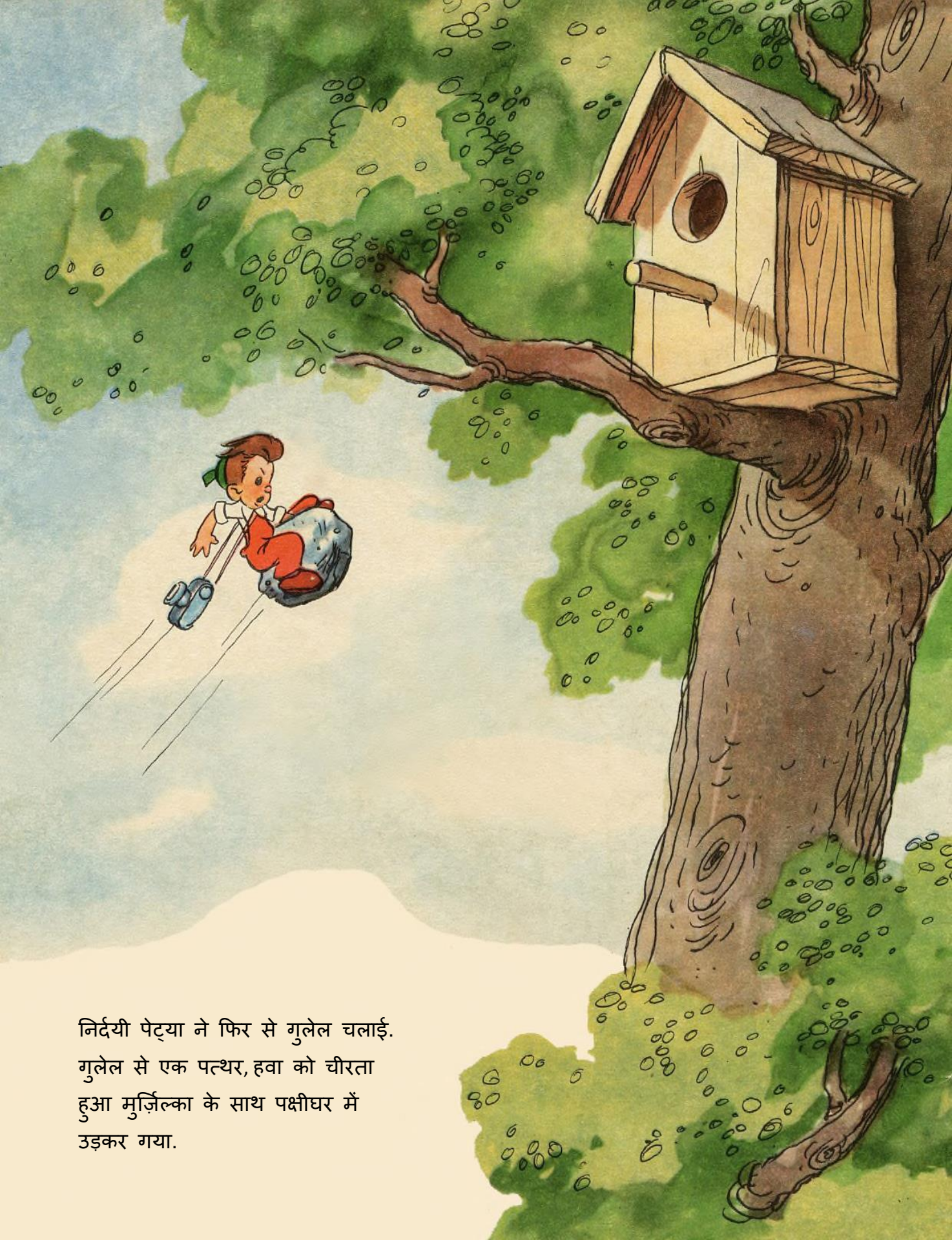

निर्दयी पेट्या ने फिर से गुलेल चलाई.
गुलेल से एक पत्थर, हवा को चीरता
हुआ मुर्ज़िल्का के साथ पक्षीघर में
उड़कर गया.

स्टारलिंग पक्षियों का परिवार तुरंत पक्षीघर में छिप गया.

"हम सब मर जायेंगे!" भयभीत स्टारलिंग चहचहा कर रोने लगीं.

"रोने की कोई ज़रूरत नहीं है."मुर्ज़िल्का ने कहा, “आखिरकार, आप स्टारलिंग हैं. और स्टारलिंग विभिन्न ध्वनियों की नकल कर सकती हैं.

क्या आप एक पुलिसमैन की तरह सीटी नहीं बजा सकते हैं?”

"हम वो ज़रूर कर सकते हैं!"

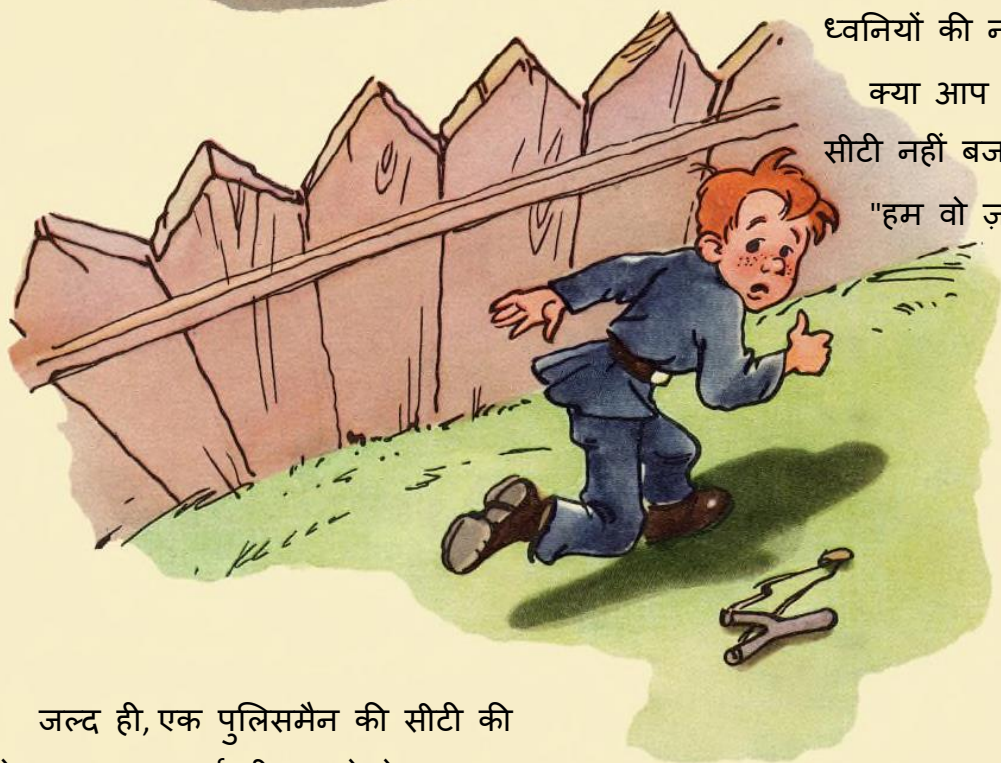

जल्द ही, एक पुलिसमैन की सीटी की तेज़ आवाज़ सुनाई दी. उससे पेट्या डर गया और फिर गुलेल फेंककर तेजी से भाग गया.

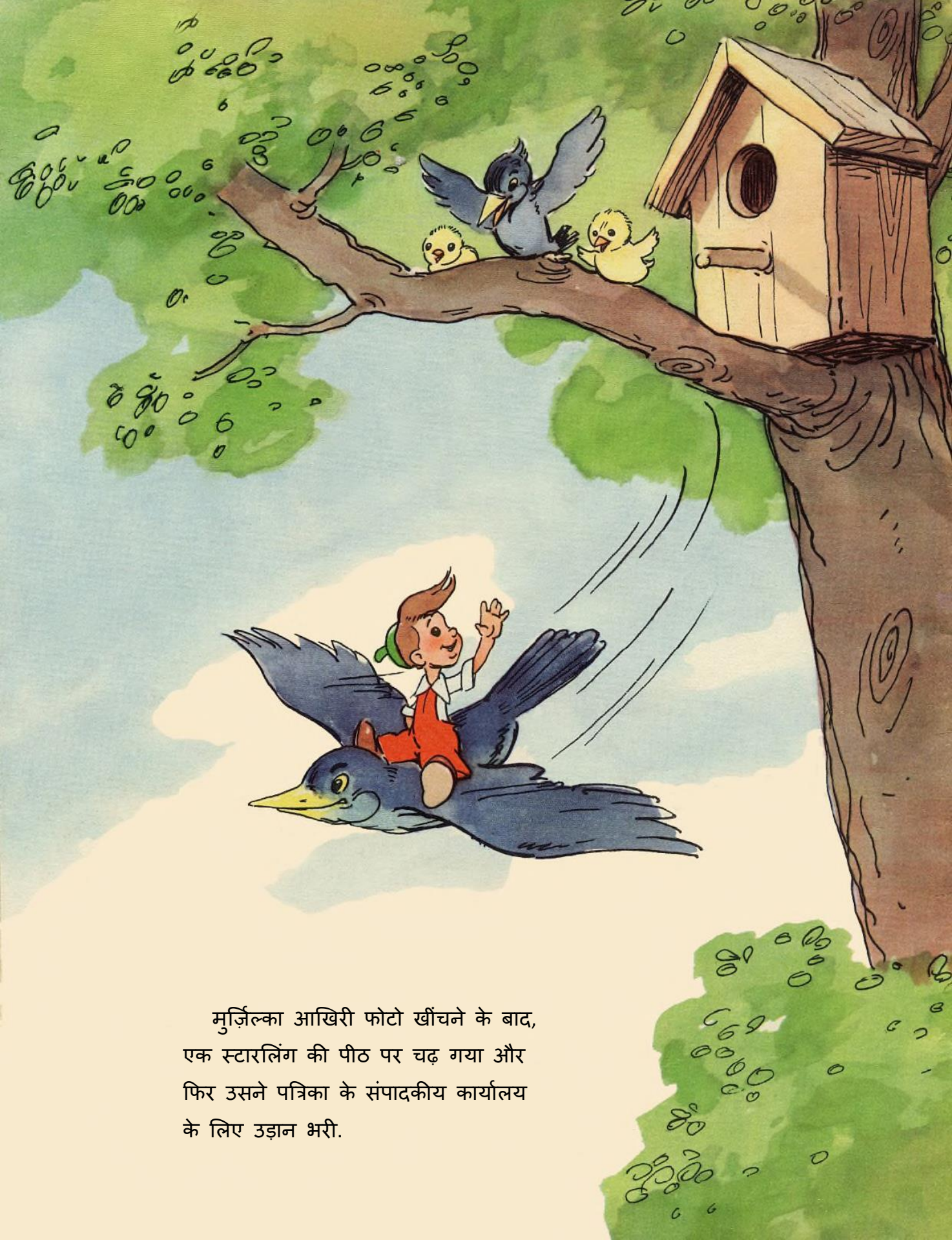

मुर्ज़िल्का आखिरी फोटो खींचने के बाद, एक स्टारलिंग की पीठ पर चढ़ गया और फिर उसने पत्रिका के संपादकीय कार्यालय के लिए उड़ान भरी.

सुबह डाकिया, पेट्या के लिए "मुर्ज़िल्का" पत्रिका लेकर आया.

"यह वो आश्चर्य है जिसका मैंने तुमसे वादा किया था," मां ने कहा.

"धन्यवाद, प्रिय मां," पेट्या ने विनम्रता से कहा और उसने पत्रिका खोली

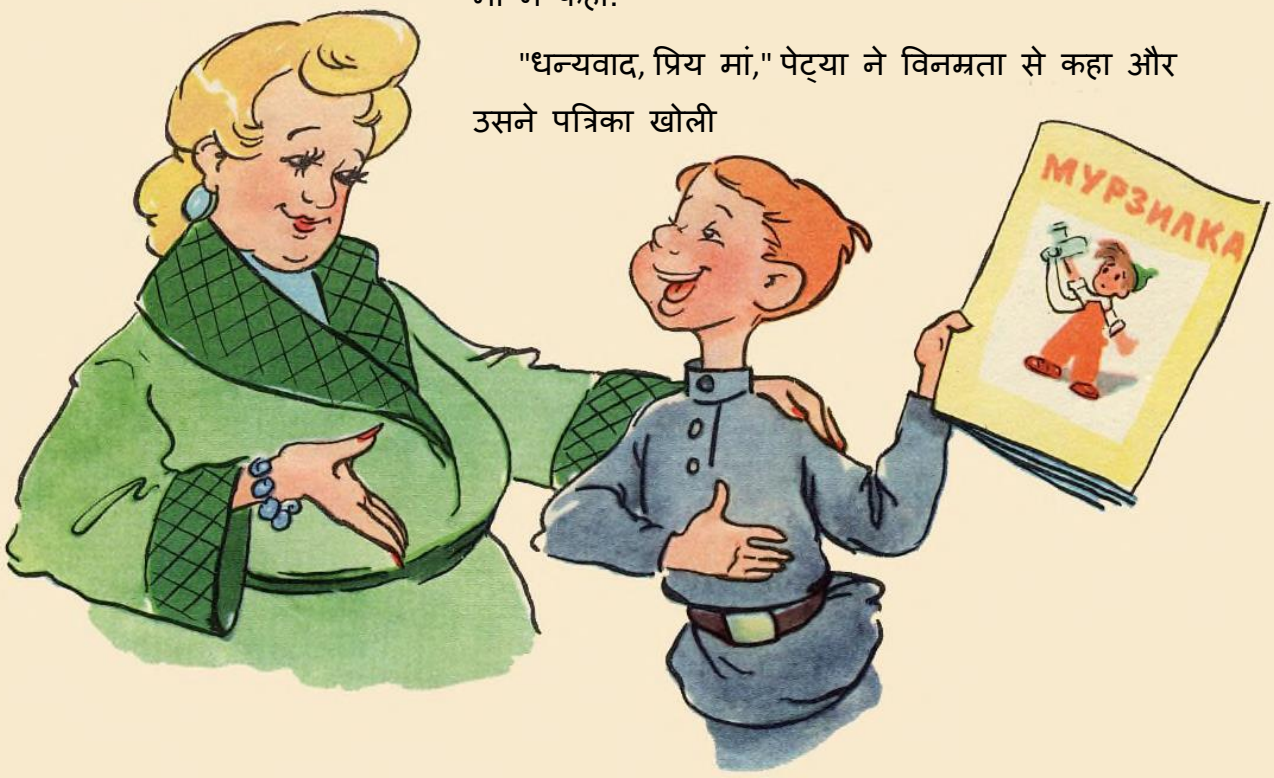

लेकिन अंदर क्या था? पत्रिका में बड़े अक्षरों में लिखा था: "पेट्या, वो असल में कौन है?"

शीर्षक के नीचे एक फोटो-श्रृंखला थी.

पेट्या ने बिल्ली को मारा. पेट्या ने लड़कियों की चोटी खींची. पेट्या ने गुलेल से स्टारलिंग पक्षियों को मारा!

"धन्यवाद, मुर्ज़िल्का!" पत्रिका के संपादक ने कहा.
“अब सभी को पता चलेगा कि पेट्या असल में
कितना शैतान और धोखेबाज़ है.

फिर हम एक अच्छा लड़का ढूंढेंगे और उसके फोटो
पत्रिका के अगले अंक में छापेंगे.”

“इसलिए, प्यारे दोस्तों अगली बार तक के लिए, अलविदा!”

अनातोली करानोव
निकोलाई एर्डमैन
चित्र: ई. रैकोव्स्की, ए. सावचेनको, बी. स्टेपनतसेव

मुर्ज़िल्का के कारनामे

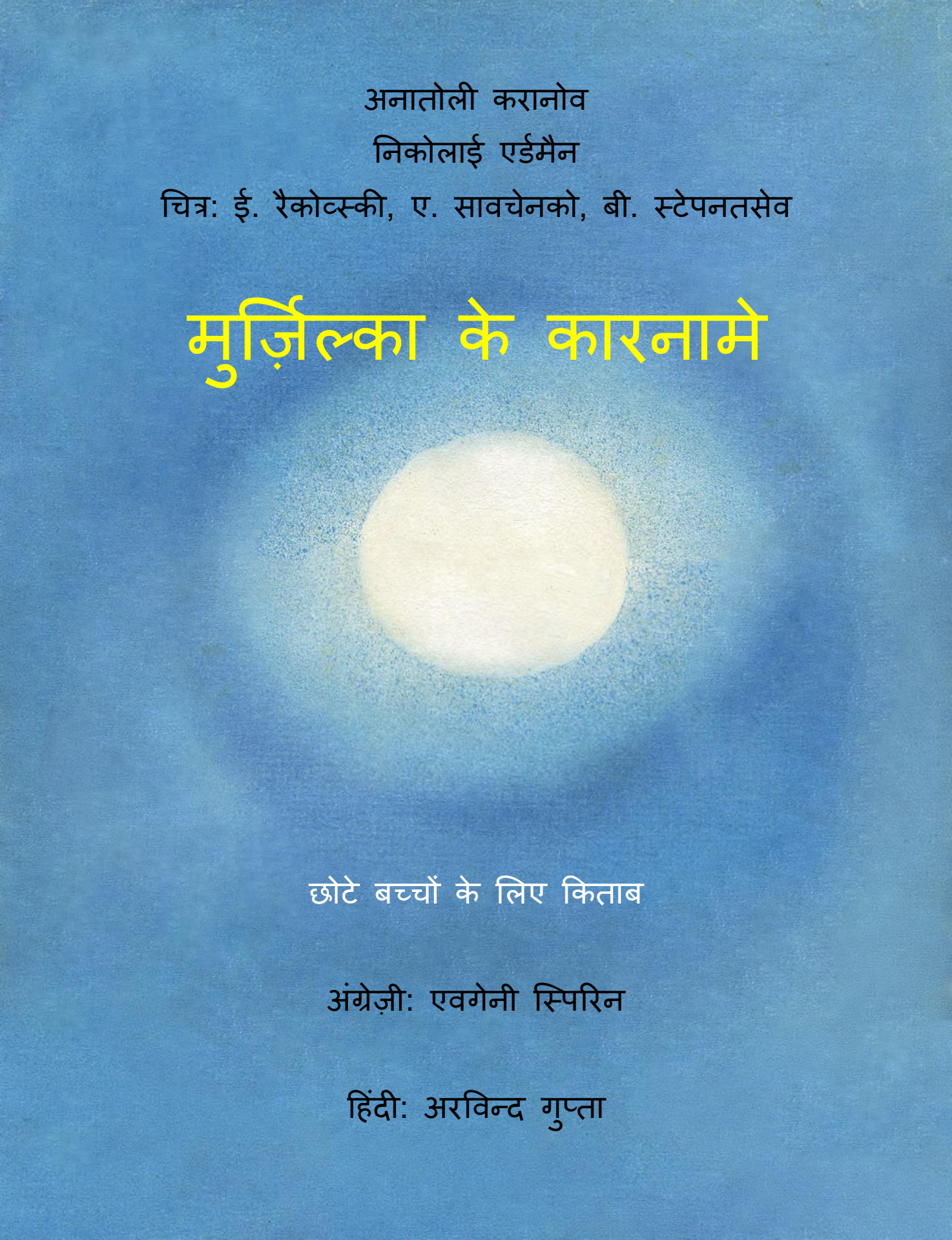

छोटे बच्चों के लिए किताब

अंग्रेज़ी: एवगेनी स्पिरिन

हिंदी: अरविन्द गुप्ता